

कहानी: "पक्षी से आर्द्धभूमि के फायदे"



बिहार के एक गाँव के पास एक आर्द्धभूमि थी, जिसे लोग "चिरैया ताल" कहते थे। यह स्थान सर्दियों में प्रवासी पक्षियों जैसे साइबेरियन क्रेन, बार-हेडेड गूज और बत्तखों से भर जाता था। लेकिन गाँव के कुछ लोग इसे बेकार ज़मीन मानकर इसे भरकर खेती या निर्माण करने की सोच रहे थे।

गाँव के एक शिक्षक ने लोगों को समझाया कि आर्द्धभूमि और पक्षी पर्यावरण के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि ये पक्षी तालाब में मौजूद मछलियों, कीड़ों और पानी में मौजूद अतिरिक्त पौधों को संतुलित करते हैं। इससे पानी शुद्ध रहता है और आसपास की ज़मीन उपजाऊ बनती है। शिक्षक ने यह भी बताया कि पक्षियों के आने से पर्यटक भी आते हैं, जिससे गाँव के लोगों को आर्थिक लाभ होता है। उनकी बात सुनकर गाँव वालों ने तालाब को संरक्षित करने का फैसला किया।

कुछ ही वर्षों में, आर्द्धभूमि ने न सिर्फ पक्षियों को बल्कि गाँव की खेती, मछली पालन और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया। अब "चिरैया ताल" गाँव की पहचान बन चुका है, और लोग इसे संरक्षित रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।



**विकसित द्वारा  
बर्ड रिंगिंग एवं मॉनिटरिंग स्टेशन,  
भागलपुर, बिहार**  
**संयुक्त उद्यम**  
**पर्यावरण, वन एवं जलवायु  
परिवर्तन विभाग,**  
**बिहार और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री  
सोसायटी**



brms.bihar@gmail.com



+91 9661037446



आर्द्धभूमि को  
पक्षियों से फायदे



पक्षी और आर्द्धभूमि करे सुरक्षित,  
जीवन होगा संरक्षित

# आर्द्धभूमि को पक्षियों से फायदे

## वेटलैंड्स या आर्द्धभूमि

आर्द्धभूमि महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो विविध वनस्पतियों और जीवों, जिनमें जलपक्षी भी शामिल हैं, का समर्थन करते हैं और आवश्यक सेवाएँ प्रदान करते हैं। जैव विविधता रखरखाव, कीट नियंत्रण और पोषक चक्रण जैसे लाभ प्रदान करके जलीय पक्षी आर्द्धभूमि के स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही संरक्षण प्रयासों को प्रेरित करते हैं और मानव समुदायों के लिए सांस्कृतिक और आर्थिक मूल्य को बढ़ाते हैं।

## पक्षियों द्वारा प्रदान की जाने वाली पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ :

### जैव विविधता रखरखाव :

बत्तख, कूट और बाकी जलीय पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र में जैव विविधता बनाए रखते हैं, बीज, पौधे और पशु प्रजनकों को फैलाते हैं, बीजों का उपभोग करते हैं और उन्हें विभिन्न स्थानों पर उत्सर्जित करते हैं, जिससे आर्द्धभूमि में विविध पौधों की आबादी का समर्थन होता है।

### पोषक चक्रण :

गीज़ और जलकाक अपने मल से मिट्टी और पानी को समृद्ध करके पोषक चक्रण में सुधार करते हैं, पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं और खाद्य जाल का समर्थन करते हैं।

### आवास संरचना :

गीज़ चराई के माध्यम से पौधों के समुदाय की गतिशीलता को प्रभावित करते हैं, विभिन्न प्रजातियों को बढ़ावा देते हैं और आवास की जटिलता को बढ़ाते हैं। यह संरचनात्मक विविधता विभिन्न जीवों के लिए आवश्यक है जो विशिष्ट आवासों पर निर्भर करते हैं।

### जल गुणवत्ता सुधार :

पेलिकन, बगुले और जलकाक मछलियों की आबादी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे मछलियों की अधिक आबादी को रोका जा सकता है, जिससे जल गुणवत्ता संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। बत्तख और गीज़ जलीय पौधों को खाते हैं, जिससे पानी की स्पष्टता और पोषक तत्व संतुलन को बढ़ावा मिलता है।



### सांस्कृतिक और मनोरंजक मूल्य :

पक्षियों को देखने से स्थानीय पर्यटन और आर्द्धभूमि के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है, जहाँ हंस और सारस क्रेन जैसी विविध प्रजातियाँ विचरण हैं। हंस आध्यात्मिकता का प्रतीक है, जबकि सारस क्रेन प्रेम और सौभाग्य का प्रतिनिधित्व करता है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में सांस्कृतिक परंपराओं और सामुदायिक संबंधों को समृद्ध करता है।

### संरक्षण के प्रमुख प्रयास :

बत्तख, गीज़, हंस और फ्लेमिंगो जैसे आकर्षक पक्षी संरक्षण प्रयासों का प्रतीक हैं, जो लोगों की रुचि को आकर्षित करते हैं और जागरूकता बढ़ाते हैं। उनकी अपील आर्द्धभूमि आवासों और वहाँ मिलने वाली प्रजातियों की रक्षा के लिए कार्यवाही को प्रोत्साहित करती है।

### जैव संकेतक :

बत्तख, गीज़ और कूट्स का प्रजनन आर्द्धभूमि स्वास्थ्य और जैव विविधता को दर्शाता है जो जलीय वनस्पति विविधता को दर्शाता है। इन प्रजातियों में उत्तर-चढ़ाव जलमण मैक्रोफाइट्स में परिवर्तन का संकेत देते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

### बीजों, अक्षरेशुरकी और गैर-रोगजनक सूक्ष्मजीवों का फैलाव :

बत्तख और गीज़ अपने पाचन तंत्र और पंखों, पैरों और चोंच के माध्यम से जलीय पौधों और अक्षरेशुरकी को फैलाकर महत्वपूर्ण जैव संकेतक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और जैव विविधता बढ़ती है।



## पारिस्थितिकी तंत्र इंजीनियरिंग :

हंस और राजहंस, भोजन व्यवहार के माध्यम से अपने वातावरण को बदल सकते हैं, जिससे अवसादों में गडबड़ी पैदा होती है और कुछ पौधों की प्रजातियों की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है, जिससे अन्य जीवों के लिए नए आवास बनते हैं।



### कूड़ा-कचरा निपटान :

गरुड़ मानव लाशों को पर्यावरण से समाप्त करने के लिए जाना जाता है, जबकि गत्स जैसी अन्य प्रजातियाँ आर्द्धभूमि में सफाई करने, अपशिष्ट और मांस की सफाई करने के लिए कूड़े के ढेर पर इकट्ठा होती हैं।

### कीट नियंत्रण :

बत्तख के बच्चे, टर्न और बाकी जलीय पक्षी कीट लार्वा के शिकारी हैं, जो अन्य कीड़े और मच्छरों की आबादी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जबकि स्टॉर्क्स, आइविस, एग्रेट्स और गल्स विभिन्न आवासों में भोजन की तलाश करके कृषि कीट प्रबंधन में सहायता करते हैं।

